

📖 कहानी से शुरुआत — बाढ़ के बाद के 24 घंटे

कल्पना कीजिए — राजस्थान के किसी दूर-दराज़ गाँव में बाढ़ आती है। कुछ ही घंटों में राहत शिविर लगते हैं, खाद्यान्न पहुँचता है, बिजली-पानी की व्यवस्था होती है, और मुआवज़ा किसान के खाते में जमा हो जाता है। यह सब अपने-आप नहीं होता — इसके पीछे एक पूरा तंत्र काम करता है: **कलेक्टर, सचिवालय, विभाग, कर्मचारी, नियम-क़ानून**। इसी तंत्र के अध्ययन का नाम है **लोक प्रशासन (Public Administration)**।

प्रशासनिक सेवा में जाने का अर्थ है इसी तंत्र का हिस्सा बनना — इसलिए प्रश्न-पत्र 3 की यह इकाई केवल एक परीक्षा-विषय नहीं, बल्कि आपकी **भावी नौकरी का नक्शा (Blueprint)** है।

1. लोक प्रशासन क्या है? (What is Public Administration?)

सरल शब्दों में, लोक प्रशासन **सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को धरातल पर उतारने की कला और विज्ञान (Art and Science)** है। जब सरकार कोई क़ानून बनाती है या योजना घोषित करती है, तो उसे आम नागरिक तक पहुँचाने का पूरा काम लोक प्रशासन ही करता है। "लोक" का अर्थ है जनता या सरकार, और "प्रशासन" का अर्थ है कार्यों का प्रबंध — यानी **जनता के लिए सरकार द्वारा किया जाने वाला प्रबंध**।

📌 लोक प्रशासन की मूल पहचान

- ◆ यह सरकार की **कार्यपालिका शाखा (Executive Branch)** की गतिविधियों का अध्ययन है — विधायिका क़ानून बनाती है, न्यायपालिका व्याख्या करती है, और प्रशासन उसे लागू करता है।
- ◆ इसमें **नीति-निर्माण से लेकर क्रियान्वयन** तक की पूरी प्रक्रिया शामिल है — योजना, संगठन, कर्मचारी, निर्देशन, समन्वय, बजट और नियंत्रण।
- ◆ यह एक **अंतर-अनुशासनात्मक (Inter-disciplinary)** विषय है — राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, विधि और मनोविज्ञान से जुड़ा हुआ।
- ◆ आधुनिक लोक प्रशासन केवल "सरकारी काम" तक सीमित नहीं — **सुशासन (Good Governance), पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-भागीदारी** भी इसका हिस्सा हैं।
- ◆ एक अध्ययन-विषय के रूप में इसकी औपचारिक शुरुआत **1887** में वुडरो विल्सन के लेख "**प्रशासन का अध्ययन (The Study of Administration)**" से मानी जाती है; इसलिए विल्सन को "**लोक प्रशासन का जनक**" कहा जाता है।

“प्रशासन सरकार का सबसे स्पष्ट दिखने वाला भाग है; यह क्रियाशील सरकार है।” (Administration is the most obvious part of government; it is government in action) — **वुडरो विल्सन (Woodrow Wilson)**

💡 रोज़मर्रा का उदाहरण

जब आप **जन सूचना पोर्टल** पर अपनी राशन-सूची देखते हैं, या **अपना खाता** पर अपनी ज़मीन का रिकॉर्ड निकालते हैं, या स्कूल में बच्चे को मध्याह्न भोजन मिलता है — तब आप लोक प्रशासन का ही अनुभव कर रहे होते हैं। विद्वानों की विस्तृत परिभाषाएँ, प्रकृति (कला या विज्ञान) और क्षेत्र की पूरी चर्चा **अध्याय 01** में है — यहाँ केवल परिचय दिया गया है।

2. प्रश्न-पत्र 3 की संरचना — हमारी इकाई कहाँ है?

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जनवरी 2026 में घोषित नए पैटर्न के अनुसार मुख्य परीक्षा में कुल 4 वर्णनात्मक (Descriptive) प्रश्न-पत्र होते हैं — सामान्य अध्ययन-I, II, III और सामान्य हिंदी एवं अंग्रेज़ी — प्रत्येक 200 अंक, 3 घंटे का। लोक प्रशासन प्रश्न-पत्र 3 (सामान्य अध्ययन-III) की इकाई 2 है, जिसका शीर्षक है "लोक प्रशासन की संकल्पनाएँ, मुद्दे एवं गतिकी (Concepts, Issues and Dynamics of Public Administration)"।

इकाई	विषय	5-अंक प्रश्न	10-अंक प्रश्न	कुल अंक
इकाई I	भारतीय राजव्यवस्था, शासन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं समसामयिकी	11	3	85
इकाई II ★	लोक प्रशासन — संकल्पनाएँ, मुद्दे एवं गतिकी (हमारा विषय)	6	3	60
इकाई III	व्यवहार एवं विधि (Behaviour and Law)	11	—	55
कुल		28	6	200

इकाई 2 का गणित ◆ 6 प्रश्न × 5 अंक = 30 अंक ◆ 3 प्रश्न × 10 अंक = 30 अंक ◆ कुल 60 अंक — प्रश्न-पत्र 3 का लगभग 30% ◆ इस इकाई को ठोस तैयार कर लिया जाए तो प्रश्न-पत्र 3 में मज़बूत बढ़त पक्की।	नया पैटर्न 2026 — क्या बदला? ◆ 2-अंक के प्रश्न समाप्त — अब केवल 5-अंक और 10-अंक। ◆ शब्द-सीमा: 5-अंक ≈ 50 शब्द, 10-अंक ≈ 150 शब्द। ◆ हर इकाई के प्रश्नों की संख्या तय। ◆ मूल्यांकन — विषय-वस्तु + संरचना + प्रस्तुति, तीनों पर।
--	---

3. आधिकारिक पाठ्यक्रम — इकाई 2 (लोक प्रशासन)

पाठ्यक्रम चार भागों में बँटा है। नीचे हर भाग के विषय और यह भी दिया गया है कि वे इस पुस्तक के किस अध्याय में पढ़ाए गए हैं:

पाठ्यक्रम का भाग	पाठ्यक्रम के विषय	अध्याय
(क) लोक प्रशासन — सिद्धांत एवं नियम	अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व; एक अनुशासन के रूप में विकास; विकसित और विकासशील समाजों में भूमिका; नए प्रतिमान — नवीन लोक प्रशासन, नवीन लोक प्रबंधन, सुशासन, नवीन लोक सेवा	01
	प्रशासन के सिद्धांत — वैज्ञानिक प्रबंधन, मानव संबंध, व्यवहारवादी, संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक, पारिस्थितिक (साथ में शास्त्रीय और नौकरशाही सिद्धांत)	02
	संगठन के सिद्धांत — पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन, केंद्रीकरण-विकेंद्रीकरण, समन्वय, सत्ता और उत्तरदायित्व	03
	प्रशासनिक व्यवहार — नेतृत्व, संचार, मनोबल	04
(ख) संघ सरकार एवं प्रशासनिक संस्थाएँ	संघ लोक सेवा आयोग, निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, लोकपाल, नीति आयोग	05
	कार्मिक प्रशासन — भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, तटस्थता, आचार संहिता	06
	प्रशासन के मुद्दे — केंद्र-राज्य संबंध, मंत्री-लोक सेवक संबंध, सामान्यज्ञ बनाम विशेषज्ञ, प्रशासनिक सुधार, सामाजिक अंकेक्षण	07

पाठ्यक्रम का भाग	पाठ्यक्रम के विषय	अध्याय
	प्रशासन पर विधायी, कार्यपालिका और न्यायिक नियंत्रण	08
(ग) तुलनात्मक लोक प्रशासन	संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विशेषताएँ	09
(घ) राज्य एवं ज़िला प्रशासन	राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद्, राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव, निदेशालय; पुलिस प्रशासन, राजस्व मंडल, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त	10
	ज़िला कलेक्टर — क़ानून-व्यवस्था, राजस्व प्रशासन और विकास प्रशासन में भूमिका	11

4. पुस्तक का मानचित्र — 11 अध्याय, एक नज़र में

अध्याय	शीर्षक	मुख्य विषय-वस्तु
01	लोक प्रशासन: अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, महत्व एवं विकास	परिभाषाएँ, पोस्टकॉर्ब, विकास के चरण, नवीन लोक प्रशासन, नवीन लोक प्रबंधन, सुशासन, नवीन लोक सेवा
02	सिद्धांत एवं उपागम	टेलर, फ्रेयोल-गुलिक, वेबर, मेयो, साइमन, संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक, रिग्स का पारिस्थितिक उपागम
03	संगठन के सिद्धांत	पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन, केंद्रीकरण-विकेंद्रीकरण, समन्वय, सत्ता-उत्तरदायित्व, जवाबदेही
04	प्रशासनिक व्यवहार	नेतृत्व, संचार, मनोबल
05	प्रशासनिक संस्थाएँ	संघ लोक सेवा आयोग, निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, लोकपाल, नीति आयोग
06	कार्मिक प्रशासन	भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, तटस्थता, आचार संहिता
07	प्रशासन में प्रमुख मुद्दे	केंद्र-राज्य संबंध, मंत्री-लोक सेवक, सामान्यज्ञ-विशेषज्ञ, सुधार, सामाजिक अंकेक्षण
08	प्रशासन पर नियंत्रण	विधायी, कार्यपालिका, न्यायिक नियंत्रण
09	तुलनात्मक लोक प्रशासन	अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन
10	राज्य प्रशासन	राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सचिवालय, मुख्य सचिव, पुलिस, राजस्व मंडल, आयोग, लोकायुक्त
11	ज़िला प्रशासन	कलेक्टर, संभागीय आयुक्त, क़ानून-व्यवस्था, राजस्व, विकास, ज़िला आयोजना समिति

5. उत्तर-लेखन की मूल संरचना

प्रश्न	शब्द-सीमा	संरचना
5 अंक	लगभग 50 शब्द	एक पंक्ति की परिभाषा + 2-3 मुख्य बिंदु + एक उदाहरण — संक्षिप्त पर सटीक
10 अंक	लगभग 150 शब्द	परिचय + प्रकार / आयाम + प्रमुख बिंदु + भारत / राजस्थान का संदर्भ + संतुलित निष्कर्ष

- ◆ हर उत्तर में **मुख्य शब्द (Keyword)** बोल्ट करें और जहाँ संभव हो बिंदुओं में लिखें; राजस्थान या भारत का एक ताज़ा उदाहरण उत्तर को परीक्षक की नज़र में अलग बनाता है।
- ◆ "आलोचनात्मक परीक्षण" जैसे शब्दों वाले प्रश्न में सकारात्मक पक्ष के साथ **1-2 सीमाएँ** और **सुधार का सुझाव** अवश्य लिखें; शब्द-सीमा का अनुशासन अब मूल्यांकन में सीधे देखा जाता है।

🔑 इस खंड का कीवर्ड सारांश

लोक प्रशासन	नीतियों को धरातल पर उतारने की कला और विज्ञान	वुडरो विल्सन	1887 — "प्रशासन का अध्ययन"; जनक
प्रश्न-पत्र 3	200 अंक, 3 घंटे, 3 इकाइयाँ	इकाई 2	$6 \times 5 + 3 \times 10 = 60$ अंक
नया पैटर्न 2026	2-अंक समाप्त; 50 / 150 शब्द	पाठ्यक्रम के 4 भाग	सिद्धांत; संस्थाएँ; तुलनात्मक; राज्य-ज़िला